



INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RRB – NTPC

(Non Technical Popular Categories)

(प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु)

भाग - 1

सामान्य ज्ञान (GK)

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स “RRB NTPC (Non-Technical Popular Categories)” को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा “RRB NTPC (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु)” में सफलता पाने के लिए पूर्ण संभव मदद करेंगे।

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशक:

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : <https://www.infusionnotes.com>

WhatsApp करें - <https://wa.link/brl63m>

Online Order करें - <http://surl.li/grpcbn>

मूल्य : (₹)

संस्करण : नवीनतम

क्र. सं.	अध्याय	पेज नं.
	भूगोल	
1.	सामान्य परिचय	1
2.	भौतिक विभाजन	3
3.	नदियाँ एवं झीलें	8
4.	जलवायु	13
5.	कृषि (agriculture)	14
6.	मृदा / मिट्टी	20
7.	प्राकृतिक वनस्पतियाँ	22
8.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	24
9.	उद्योग (Industry)	28
10.	परिवहन तंत्र	32
	विश्व भूगोल	
	• ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल	
	• एशिया की प्रमुख नदियाँ	
	• एशिया की प्रमुख जल संधियाँ	
	• अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख पर्वत एवं पठार	
	• पर्वत (Mountains) एवं पठार	
	• विश्व के प्रमुख महासागर और सागर	
	संविधान	
1.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	60
2.	संविधान सभा	62
3.	संविधान की विशेषताएं	64
4.	संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र	67
5.	भारतीय नागरिकता	68
6.	मौलिक अधिकार	69
7.	नीति निर्देशक तत्व	71
8.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	73

9.	भारतीय संसद (विधायिका)	76
10.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	82
11.	उच्चतम न्यायालय	83
12.	राज्य कार्यपालिका	84
13.	मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल	86
14.	उच्च न्यायालय	91
15.	पंचायती राज	93
16.	निर्वाचन आयोग	97
17.	नीति आयोग	98
18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	99
	इतिहास	
	प्राचीन भारत का इतिहास	
1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	100
2.	वैदिक काल	103
3.	बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म,	106
4.	महाजनपद काल	111
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	112
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	115
7.	कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	117
	मध्यकालीन भारत	
1.	अरबों का सिन्धु पर आक्रमण	119
2.	दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	121
3.	भक्ति एवं सूफी आंदोलन	130
4.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	133
5.	मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.)	135
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	143
2.	मराठा साम्राज्य	148
3.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	150

4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन	156
5.	भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन	160
6.	गाँधी युग और असहयोग आंदोलन	163
7.	क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक	168
भारतीय संस्कृति		
1.	भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्तक	171
2.	भारतीय चित्रकला	173
3.	भारतीय नृत्य कलाएँ	175
अर्थशास्त्र		
भारतीय अर्थव्यवस्था		
1.	अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ	177
2.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	178
3.	मुद्रा एवं बैंकिंग	179
4.	बजट एवं बजट निर्माण	182
5.	कर	184
6.	केंद्र सरकार की योजनाएँ	185
विविध		
	• महत्वपूर्ण दिवस	
	• विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राओं की सूची	
	• पुस्तक एवं लेखक	
	• भारत में विभिन्न पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति	
	• विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय	
	• भारत के प्रमुख खेल	
	• राष्ट्रीय खेल पुरस्कार	
	• भारत में विश्व धरोहर स्थल	
	• भारत के राज्यों के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल 2024	
	• भारत के राजकीय पशु पक्षी, वृक्ष और फूल की सूची	
	• भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य	
	• केन्द्रीय मंत्रियों की सूची - 2024	

	राज्यों की राजधानी और स्थापना दिवस	
	केंद्र शासित प्रदेश 2024 केंद्र शासित प्रदेशों और उनकी राजधानियों की सूची : Union	
	शहरों / अभियानों के परिवर्तित नाम	
	भौगोलिक संकेत (GI Tags) प्राप्त उत्पाद	
	भारत में रामसर आर्द्रभूमियाँ	

भारत का भूगोल

अध्याय - 1

सामान्य परिचय

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में 5 दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।
भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) हैकर्स रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचों -बीच से गुजरती है,

देश की चतुर्दिक् सीमा बिन्दु	
• दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) • उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) • पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) • पूर्वी बिन्दु-किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) • मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	
स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश

नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

प्रमुख चैनल / जलमस्मध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	चैनल/खाड़ी/स्ट्रेट
इन्दिरा प्वाइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैनल
लघु अंडमान-निकोबार	10° चैनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैनल
भारत-श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी
पाक की खाड़ी	पाक स्ट्रेट

- भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है वे हैं- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम।
- भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है।
 1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
 2. उत्तर का विशाल मैदान
 3. दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
 4. समुद्री तटीय मैदान
 5. थार का मरुस्थल
- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30' पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30') उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश से गुजरती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	क्षेत्रफल वर्ग किमी.
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	क्षेत्रफल वर्ग किमी.
कच्छ	45652
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार	
भारत- बांग्लादेश सीमा	4096 किमी.
भारत- चीन	3488 किमी.
भारत- पाक सीमा	3323 किमी.
भारत - नेपाल सीमा	1751 किमी.
भारत - म्यांमार सीमा	1643 किमी.
भारत - भूटान सीमा	699 किमी.
भारत - अफगानिस्तान	106 किमी. (वर्तमान में POK में स्थित है)

- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- मध्य प्रदेश भारत का सबसे बड़ा पठारी राज्य है।
- मध्य प्रदेश में वन (जंगल) सबसे अधिक है।
- भारत में द्वीपों की कुल संख्या 248 है बंगाल की खाड़ी में 223 तथा अरब सागर में 25 द्वीप हैं।
- पूर्वी घाट को कोरोमंडल तट के नाम से जाना जाता है।
- पश्चिमी घाट को मालाबार तट के नाम से जाना जाता है।
- उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है- उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।]
- भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।
- भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य महाराष्ट्र है जबकि सबसे कम नगरीय जनसंख्या सिक्किम में है।
- भारत में राष्ट्रीय राज मार्ग की कुल लम्बाई 1,42,126 लगभग किमी. है।
- भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 है जो बनारस से कन्याकुमारी तक जाता है (3,745 किमी.)।
- वर्ष 2020 में भारत में रेलमार्ग की कुल लम्बाई 67,956 किमी थी जबकि रनिंग ट्रैक लम्बाई सहित यह 99,235 किमी है। यार्ड, साइडिंग आदि मिलाकर कुल मार्ग 1,26,366 किमी है।
- तिरुवनन्तपुरम एवं कोचीन (केरल) नगरों में मानसून की सर्वप्रथम वर्षा होती है।

अध्याय - 2

भौतिक विभाजन

➤ भारत की स्थलाकृति को पांच भागों में बाँटा जा सकता है।

- उत्तर भारत का पर्वतीय क्षेत्र
- प्रायद्वीपीय पठार
- मध्यवर्ती विशाल मैदान
- तटवर्ती मैदान
- द्वीप समूह

• पर्वत

उत्तर भारत का विशाल पर्वतीय क्षेत्र

- यह विश्व की सर्वोच्च पर्वतीय स्थलाकृति है, जिसका विस्तार भारत के पश्चिम से लेकर पूर्व तक है।
- इस पर्वतीय श्रेणी को तीन भागों में बाँटा जा सकता है।
 1. ट्रांस हिमालय श्रेणी
 2. हिमालय पर्वत श्रेणी
 3. पूर्वांचल की पहाड़ियाँ

➤ **ट्रांस हिमालय** का निर्माण हिमालय से भी पहले हो चुका था इसके अन्तर्गत काराकोरम लद्दाख कैलाश व जास्कर श्रेणी आती हैं।

➤ इन श्रेणियों पर वनस्पति का अभाव पाया जाता है।

(A) काराकोरम श्रेणी - यह ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी है।

➤ भारत की सबसे ऊँची चोटी क2 या गाडविन ऑस्टिन (8611 m) काराकोरम श्रेणी पर ही स्थित है।

- यह विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।
- काराकोरम दर्र एवं इंदिरा कॉल इसी दर्र में स्थित है
- काराकोरम दर्र काराकोरम शृंखला पर स्थित कश्मीर को चीन से जोड़ने वाला संकीर्ण दर्र है।
- काराकोरम शृंखला पर भारत का सबसे लम्बा ग्लेशियर सियाचिन स्थित है।
- विश्व का सबसे ऊँचा सैनिक अड्डा (सियाचिन) यहीं अवस्थित है।

■ काराकोरम श्रेणी पर चार प्रमुख हिमनद (ग्लेशियर) स्थित हैं।

- सियाचिन (72 km)
- बाल्टोरो - (58km)
- बीयाफो - 63 km
- हिस्पर (61 Km)

(B) लद्दाख श्रेणी - विश्व की सबसे बड़ी ढाल वाली चोटी राकापोशी लद्दाख श्रेणी पर ही स्थित है।

■ लद्दाख श्रेणी दक्षिण पूर्व की ओर कैलाश श्रेणी के रूप में स्थित है। यह श्रेणी सिन्धु नदी व इसकी सहायक नदी के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।

■ यह भारत का न्यूनतम वर्षा वाला क्षेत्र है।

<https://www.infusionnotes.com/>

■ इसका सर्वोच्च शिखर माउंट कैलाश है।

(C) जास्कर श्रेणी - यह ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी है।

■ नंगा पर्वत इस पर्वत श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है।

■ लद्दाख व जास्कर श्रेणियों के बीच से ही सिन्धु नदी बहती है।

1. **वृहत् या हिमाद्रि या महान हिमालय** - इसका विस्तार नंगा पर्वत से नामचा बरवा पर्वत तक धनुष की आकृति में फैला हुआ है जिसकी कुल लम्बाई 2500 km तक है तथा औसत ऊँचाई 6100 मी. तक है। विश्व की सर्वाधिक ऊँची चोटियाँ इसी श्रेणी पर पाई जाती हैं जिसमें प्रमुख हैं-

- माउंट एवरेस्ट (8848 मी.) विश्व की सबसे ऊँची चोटी
- कंचनजंगा (8598 मी.)
- मकालू (8481 मी.)
- धौलागिरी (8172 मी.)
- अन्नपूर्णा (8076 मी.)
- नंदा देवी (7817 मी.)

➤ एवरेस्ट को पहले तिब्बत में 'चोमोलुंगमा' के नाम से जाना जाता था जिसका अर्थ 'पर्वतों की रानी'।

➤ हिमालय का निर्माण भारतीय सह - ऑस्ट्रेलियाई प्लेट एवं यूरोशियाई प्लेट की अभिसरण प्रक्रिया से हुआ है।

➤ एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरि, नंगा पर्वत, नामचा बरवा इसके महत्वपूर्ण शिखर हैं।

➤ भारत में हिमालय की सर्वोच्च ऊँची चोटी कंचनजंगा यही स्थित है।

➤ यह विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है।

2. **लघु या मध्य हिमालय** - महान हिमालय के दक्षिण में तथा शिवालिक के उत्तर में इसका विस्तार है। इसकी सामान्य ऊँचाई 3700 से 4500 मी. है।

➤ इसके अन्तर्गत कई श्रेणियाँ पाई जाती हैं।

- पीर पंजाल (जम्मू कश्मीर)
- धौलाधार (हिमाचल प्रदेश)
- नाग टिब्बा (उत्तराखंड)
- कुमायूँ (उत्तराखंड)
- महाभारत (नेपाल)

• लघु हिमालय तथा महान हिमालय के बीच कई घाटियों का निर्माण हुआ है।

- कश्मीर की घाटी (जम्मू कश्मीर)
- कुल्लू - काँगड़ा घाटी (हिमाचल प्रदेश)
- काठमांडू घाटी (नेपाल)

• लघु हिमालय अपने स्वास्थ्यवर्धक पर्यटन स्थलों के लिए भी प्रसिद्ध है जिसके अन्तर्गत शामिल हैं -

• कुल्लू, मनाली, डलहौजी, धर्मशाला, शिमला (हिमाचल प्रदेश) अल्मोड़ा, मसूरी, चमोली (उत्तराखंड)

• लघु हिमालय की श्रेणियों की ढालों पर शीतोष्ण घास के मैदान पाये जाते हैं जिन्हे जम्मू-कश्मीर में मर्ग (गुलमर्ग,

पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती है।

- सतलज नदी की सहायक नदियाँ हैं -सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और जास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं।
- सतलज, सिन्धु नदी की महत्वपूर्ण सहायक नदी है। यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती है।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्वपूर्ण सहायक नदी है।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड से निकलती है।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड का निर्माण करती है।
- यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ हैं।

रावी नदी (परुष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्वपूर्ण सहायक नदी है।
- जो हिमालय की कुल्लू की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती है तथा चंबा घाटी से होकर बहती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती है।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती है।

चिनाब नदी (अस्किनी)

- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्रे के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांडी में आपस में मिलती हैं।
- इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी है।
- यह त्रिमु के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है।
- जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती है।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

- गंगा नदी का उद्गम उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहाँ यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) है।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है।
- अलकनंदा नदी का स्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती हैं।

स्थान

विष्णु प्रयाग
नंद प्रयाग
कर्ण प्रयाग
रूद्रप्रयाग
देवप्रयाग

नदी संगम

धौलीगंगा + अलकनंदा
मंदाकिनी + अलकनंदा
पिंडार + अलकनंदा
मंदाकिनी + अलकनंदा
भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रों में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती है।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल में प्रवेश करती है। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पद्मा के नाम से जानी जाने लगती है।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है।
- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं -** यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

यमुना नदी -

- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड में बदरपूछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ है।
- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी है जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है।
- प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल सिंध, बेतवा केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ हैं इसके

बाएँ तट पर हिंडन रिंद सेंगर वरुणा आदि नदियाँ मिलती हैं।

चम्बल नदी - मध्यप्रदेश के मालवा पठार में महू के निकट निकलती है तथा राजस्थान के कोटा में बहते हुए उत्तरप्रदेश में यमुना से आकर मिलती है यह अपनी 'उत्खात भूमि' (Badland Topography) के लिए प्रसिद्ध है।

रामगंगा नदी - उत्तराखण्ड में गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से निकलती है तथा कन्नौज उत्तरप्रदेश में गंगा से आकर मिल जाती है।

गोमती नदी - पीलीभीत जिले से निकलती है तथा गाजीपुर में गंगा नदी से मिलती है। लखनऊ व जौनपुर इसी के किनारे बसे हैं।

घाघरा नदी - तिब्बत के पठार में स्थित मापचाचुंगों हिमनद से निकलती है तथा बाराबंकी जिला में शारदा नदी (काली गंगा) इससे आकर मिलती है। और अन्ततः यह छपरा (बिहार) में गंगा से मिलती है।

सोन नदी - यह मध्यप्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है तथा पटना से पहले गंगा के दायीं तट से इससे मिल जाती है।

गंडक नदी - नेपाल (धौलागिरि व माउंट एवरेस्ट) से इसका उद्गम होता है तथा यह अन्ततः सोनपुर (बिहार) में गंगा से मिल जाती है।

- इसकी सहायक नदियाँ हैं - काली गंडक, त्रिशूली गंगा।
- बिहार में निर्मित त्रिवेणी नहर में गंडक नदी से पानी आता है।

कोसी नदी - इसका स्रोत तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में है जहाँ से इसकी मुख्य धारा अरुण निकलती है। कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।

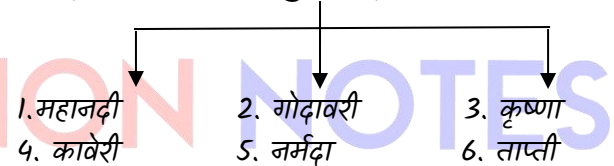
- इसका संगम स्थल भागलपुर जनपद में काढ़ागोला के दक्षिण-पश्चिम में गंगा नदी में है।
- इसकी सहायक नदियाँ हैं - सनकोसी, तामू कोसी, लिक्षु कोसी, तलखु, दूध कोसी, अरुण, तामुर कोसी।

ब्रह्मपुत्र नदी - ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम हिमालय के उत्तर में स्थित मानसरोवर झील के निकट चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है।

- तिब्बत में ब्रह्मपुत्र को सांगपो (Tsangpo) के नाम से जाना जाता है। नामचा बरवा के निकट हिमालय को काटकर तथा "U" टर्न बनाते हुए गहरे गार्ज (महाखंड) का निर्माण करती है और दिहांग के नाम से भारत में प्रवेश करती है। कुछ दूर तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहने के बाद इसकी दो प्रमुख सहायक नदियाँ दिवांग और लोहित इसके बाएँ किनारे पर आकर मिलती हैं। इसके बाद इस नदी को ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है।
- इसकी अन्य सहायक नदियाँ धनसरी, सुबनसिरी, मानस, कामेग व संकोश, पगलादिया आदि हैं।
- ब्रह्मपुत्र नदी की कुल लम्बाई 2900 किमी है, जिसमें 916 किमी. भारत में बहती है।

- असम के धुबरी के निकट ब्रह्मपुत्र दक्षिण दिशा में बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती है। बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र को जमुना के नाम से जाना जाता है।
- जमुना में दाहिनी ओर से तिस्ता नदी आकर मिलती है। जमुना आगे जाकर पदमा में मिल जाती है तथा पदमा मेघना से मिलने के बाद, मेघना नाम से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। असम घाटी में ब्रह्मपुत्र नदी गुंफित जल मार्ग बनाती है, जिसमें माजुली जैसे कुछ बड़े नदी द्वीप भी मिलते हैं।
- हिमालयी नदी तंत्र की तुलना में प्रायद्वीप नदी तंत्र अधिक पुराना है।
- पश्चिमी घाट बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों व अरब सागर में गिरने वाली नदियों के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।
- प्रायद्वीपीय भारत की नदियों की प्रौढ़वस्था व नदी घाटियों का चौड़ा व उथला होना इसके प्राचीन होने का प्रमाण है।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ पश्चिम से पूर्व दिशा में बहती हैं।
- नर्मदा एवं ताप्ती इनके विपरीत बहती हैं।
- हिमालय के उत्थान के साथ नर्मदा व ताप्ती नदियों का भ्रंश घाटियों का निर्माण हुआ है।

प्रायद्वीपीय भारत की प्रमुख नदियाँ



बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

महानदी -

- इसकी कुल लम्बाई लगभग 851 किलोमीटर है
- यह छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में सिहावा के पास से निकलती है।
- ओडिशा में बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है
- महानदी की द्रोणी का अपवाह महाराष्ट्र छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में है।
- शिवनाथ मांड और ईब बाएँ तट से तथा केन दाएँ तट से मिलने वाली महानदी की प्रमुख सहायक नदी है।

गोदावरी नदी -

- यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी नदी (1465 किलोमीटर) है
- इसका अपवाह तंत्र प्रायद्वीपीय नदियों की तुलना में सबसे बड़ा है।
- गोदावरी नदी नासिक महाराष्ट्र से निकलती है।
- तेलंगाना व आंध्र में बहते हुए राजमुंदरी के पास कई धाराओं में विभक्त होकर डेल्टा का निर्माण करती है।
- इसे दक्षिण गंगा तथा वृद्ध गंगा के नाम से जाना जाता है।
- इसकी द्रोणी का अपवाह महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश व मध्यप्रदेश में है



प्रमुख बहु - उद्देशीय परियोजनाएँ :-

परियोजना का नाम	नदी	लाभान्वित राज्य
भांगड़ा नांगल	सतलज नदी	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान
नागार्जुन सागर	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश
चंबल	चंबल नदी	राजस्थान, मध्य प्रदेश
हीराकुंड बांध	महा नदी	ओडिशा
व्यास	व्यास नदी	राजस्थान पंजाब हरियाणा
दामोदर	दामोदर नदी	झारखण्ड, पश्चिम बंगाल
तवा	तवा नदी	मध्य प्रदेश
मालप्रभा	मालप्रभा नदी	कर्नाटक
नागपुर शक्तिग्रह	कोरडी नदी	महाराष्ट्र
काकड़ापारा	ताप्ती नदी	गुजरात
कोसी नदी	कोसी नदी	बिहार, नेपाल
तुंगभद्रा	तुंगभद्रा नदी	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक
मयूरक्षी	मयूरक्षी नदी	पं. बंगाल
फरक्का	गंगा नदी	पं. बंगाल
गंडक	गंडक नदी	बिहार नेपाल
कुंडा	कुंडा नदी	तमिलनाडु
कोयना	कोयना नदी	महाराष्ट्र
टिहरी	भागीरथी नदी	उत्तराखंड
माताटीला	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश
भीमा परियोजना	पवना नदी	महाराष्ट्र
शारदा	गोमती, शारदा नदी	उत्तर प्रदेश
नाथपा झाकरी	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश
कोल डैम	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश
शरावती	शरावती नदी	कर्नाटक
इंदिरा गाँधी	सतलज नदी	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
उकाई	ताप्ती नदी	गुजरात
पंचेत बांध	दामोदर नदी	झारखण्ड, पं. बंगाल
पूर्णा	पूर्णा नदी	महाराष्ट्र

गिरना	गिरना नदी	महाराष्ट्र
हंस देव बांगो	हंसदेव नदी	मध्य प्रदेश
सतलज	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
भद्रा	भद्रा नदी	कर्नाटक
ऊपरी कृष्णा	कृष्णा नदी	कर्नाटक
इडुक्की	पेरियार नदी	केरल
रिहंद	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
दुर्गा बैराज	दामोदर नदी	झारखण्ड, पं. बंगाल
बरगी	बरगी नदी	मध्य प्रदेश
हिडकल	घटप्रभा नदी	कर्नाटक
जायक वाड़ी	गोदावरी नदी	महाराष्ट्र
रंजीत सागर बांध	रावी नदी	पंजाब
कांगसावती	कांगसावती नदी	पं. बंगाल
रामगंगा	रामगंगा नदी	उत्तर प्रदेश
तुलबुल	झेलम नदी	जम्मू कश्मीर
राणा प्रताप सागर	चंबल नदी	राजस्थान
जवाहर सागर	चंबल नदी	राजस्थान
नर्मदा घाटी	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश, गुजरात
गाँधी सागर	चंबल नदी	मध्य प्रदेश
सरहिंद नहर	सतलज नदी	हरियाणा
सरदार सरोवर	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात
तिलैया	बराकर नदी	झारखण्ड
दुलहस्ती	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर

विश्व भूगोल

• ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल

- ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।
- महाविस्फोट सिद्धांत (big-bang theory) ब्रह्मांड की उत्पत्ति से संबंधित है।
- ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।
- तारा बनने से पहले विरल गैस का गोला होता है।
- जब ये विरल गैस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।
- जब इन नेबुला में संलयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती है तो वह तारों का रूप ले लेता है।
- तारों में हाइड्रोजन का संलयन हिलियम में होता रहता है। तारों में ईंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।
- तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है।
- लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
- सफेद रंग - मध्यम ताप
- नीला रंग - उच्च ताप
- तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।
- जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।
- यदि लाल दानवों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह, उपग्रह तथा शुद्ध ग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।
- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

सूर्य की बाहरी परत - सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं-

1. **प्रकाश मंडल** - यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।
 2. **वरुण मंडल** - यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।
 3. **(corona)** - यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 271ac डिग्री सेल्सियस होता है।
- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलियम है।
 - शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है।
 - सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है।
 - सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है।
 - सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है।
 - सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
 - सूर्य से प्रति सेकंड 10^{26} जूल ऊर्जा निकलती है।
 - सूर्य पश्चिम से पूर्व घूर्णन करता है।
 - सूर्य का विषुव रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।
 - सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में घूर्णन कर लेता है।

ग्रह - वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास ना अपनी ऊष्मा हो और ना ही अपना प्रकाश हो वह ऊष्मा तथा प्रकाश के लिए अपने निकटतम तारे पर आश्रित होतथा उसी का चक्कर लगाता हो प्रारंभ मे ग्रहों कि संख्या 9 थी परंतु वर्तमान में 8 ग्रह हैं ग्रहों को 2 श्रेणियों में बांटते हैं।

पार्थिव - इन्हें आंतरिक ग्रह भी कहते हैं।

- यह पृथ्वी से समानता रखते हैं।
 - इनका घनत्व अधिक होता है तथा यह ठोस अवस्था में होते हैं।
 - इनके उपग्रह कम होते हैं या होते ही नहीं हैं इन ग्रहों की संख्या चार होती है।
- a. बुध
 - b. शुक्र
 - c. पृथ्वी
 - d. मंगल

जोवियन ग्रह - इसे बाह्य ग्रह कहते हैं। यह बृहस्पति से समानता रखते हैं। इनका आकार बड़ा होता है किन्तु घनत्व कम होता है, यह गैस की अवस्था में पाए जाते हैं। इनके उपग्रहों की संख्या अधिक है।

प्लूटो - यह नौवां ग्रह था। किन्तु 24 अगस्त 2006 को चेक गणराज्य की राजधानी प्राण में अंतरराष्ट्रीय खगोल खंड की बैठक हुई जिसमें प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालकर बोना ग्रह में डाल दिया।

- प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालने के तीन कारण थे
1. इसका आकार अत्यधिक छोटा था
 2. इसकी कक्षा दीर्घ वर्तीय नहीं थी

3. इसकी कक्षा वरुण की कक्षा को काटती थी

उपग्रह

- इनके पास ऊष्मा और प्रकाश दोनों नहीं था।
- यह अपने निकटतम तारे से ऊष्मा और प्रकाश लेते हैं किन्तु यह चक्कर अपने निकटतम ग्रह का लगाते हैं।

उपग्रह दो प्रकार के होते हैं

1. प्राकृतिक उपग्रह - चंद्रमा
2. कृत्रिम उपग्रह - यह मानव निर्मित होते हैं संचार तथा मौसम की भविष्यवाणी करता है।

सूर्य से दूरी के अनुसार ग्रह

1. बुध
2. पृथ्वी
3. बृहस्पति
4. अरुण
5. शुक्र
6. मंगल
7. शनि
8. वरुण

पृथ्वी से दूरी के अनुसार

1. शुक्र
2. मंगल
3. बुध
4. बृहस्पति
5. शनि
6. अरुण
7. वरुण

आकार के अनुसार ग्रह

1. बृहस्पति
2. शनि
3. अरुण
4. वरुण
5. पृथ्वी
6. शुक्र
7. मंगल
8. बुध

आंखों से हम पांच ग्रहों को देख सकते हैं।

1. बुध
2. शुक्र
3. मंगल
4. बृहस्पति
5. शनि

उल्टा घूमने वाले ग्रह पूर्व से पश्चिम

- शुक्र तथा अरुण
- सर्वाधिक घनत्व पृथ्वी का तथा कम घनत्व शनि का।
- सबसे बड़ा उपग्रह बृहस्पति का गेनीमेड और सबसे छोटा उपग्रह मंगल का डिमोस है।

- सबसे तेज घूर्णन बृहस्पति सबसे धीमा घूर्णन शुक्र 249 दिन।
- सबसे तेज परिक्रमण वर्ष की अवधि बुध 88 दिन सबसे धीमा शुक्र 164 साल।
- सबसे गर्म ग्रह शुक्र सबसे ठंडा ग्रह अरुण वरुण हैं।

Gold lock zone

- अंतरिक्ष का वह स्थान जहां जीवन की संभावना पाई जाती है उसे गोल्डी लॉक्स जोन कहते हैं।
- केवल पृथ्वी पर जीवन संभव है।
- मंगल पर इसकी संभावना है।
- जीवन की उत्पत्ति के लिए कपास का पौधा अंतरिक्ष पर भेजा गया।

बुध ग्रह (मरकरी)

- इसका नामकरण रोमन संदेशवाहक देवता के नाम पर हुआ है।
- इस ग्रह का वायुमंडल नहीं है किन्तु बहुत ही कम मात्रा में वहां ऑक्सीजन पाई जाती है।
- वायुमंडल ना होने के कारण यह ऊष्मा को रोक नहीं पाता है। जिस कारण दिन में इसका तापमान 420 डिग्री सेल्सियस तथा रात को -180 डिग्री सेल्सियस तापमान हो जाता है अर्थात इस ग्रह पर सर्वाधिक तापांतर 600 डिग्री सेल्सियस का देखा जाता है अतः यहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है।
- वायुमंडल ना होने के कारण इस ग्रह पर सर्वाधिक उल्का पात हुआ है।
- सबसे बड़ा क्रेटर कोरोलिस बेलिस है।

शुक्र

- इस ग्रह पर सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है।
- यह सूर्य से आने वाली सभी ऊष्मा को अवशोषित कर लेता है।
- इसे सबसे गर्म तथा चमकीला ग्रह कहते हैं।
- इसे सौरमंडल की परी कहते हैं।
- इस पर प्रेशर कुकर के समान स्थिति पाई जाती है जिस कारण इसे दम घुटने वाला कहते हैं।
- यह पृथ्वी से समानता रखता है अतः इसे पृथ्वी का सहोदर, भगिनी, जुड़वा बहन कहते हैं।
- यह अपने अक्ष पर उल्टा अर्थात पूर्व से पश्चिम घूमता है जिस कारण यहां सूर्योदय पश्चिम में होता है।
- यह अपने अक्ष पर 243 दिन में घूर्णन कर लेता है। जबकि सूर्य का परिक्रमण 224 दिन में पूरा करता है।
- अर्थात इस ग्रह का घूर्णन और परिक्रमण समान है।
- अर्थात इस ग्रह पर एक दिन। वर्ष के बराबर होगा।
- बुध तथा शुक्र के पास उपग्रह नहीं हैं इसके उपग्रह को सूर्य खींच लेता है।

तत्तर जलसंधि	- रूसी मुख्यभूमि को रूस के सखालिन द्वीप से अलग करती है। - जापान सागर को ओखोट्स्क सागर से जोड़ती है।
ला-पेर्राज जलसंधि या सोया जलसंधि	- जापान के होकडो द्वीप को रूस के सखालिन द्वीप से अलग करती है। - जापान सागर को ओखोट्स्क सागर से जोड़ती है।
सुगार जलसंधि	- होंकेंडो को होंशु द्वीप से अलग करती है। - जापान सागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है।
कोरिया जलसंधि या सुशिमा जलसंधि	- कोरिया प्रायद्वीप को जापान के क्यूशू द्वीप से अलग करती है। - पूर्वी चीन सागर को जापान सागर से जोड़ती है।
ताइवान जलसंधि (फोर्मोसा जलसंधि)	- ताइवान को चीन से अलग करती है। - पूर्वी चीन सागर को दक्षिणी चीन सागर से जोड़ती है।
लुज़ोन जलसंधि	- ताइवान को लुज़ोन द्वीप से अलग करती है। - दक्षिणी चीन सागर व फिलिपिन सागर को जोड़ती है।
मकरसागर जलसंधि	- सेलेबीस द्वीप को बोर्नीयो द्वीप से अलग करती है। - सेलेबीस सागर को जावा सागर से जोड़ती है।
सुंडा जलसंधि	- इंडोनेशिया के जावा को सुमात्रा से अलग करती है। - हिंद महासागर को जावा सागर से जोड़ती है।
मलक्का जलसंधि	- मलेशिया (मलाया) को सुमात्रा द्वीप से अलग करती है। - अंडमान सागर (हिंद महासागर) को दक्षिण चीन सागर (प्रशांत महासागर) से जोड़ती है।
जोहोर जलसंधि	- सिंगापुर को मलेशिया से अलग करती है। - दक्षिणी चीन सागर को अंडमान सागर से जोड़ती है।

पाक जल संधि	- भारत के पम्बन द्वीप को श्रीलंका से अलग करती है। - मन्नार की खाड़ी को पाक की खाड़ी से जोड़ती है।
होर्मुज़ जलसंधि	- यु. ए. ई. ओमान को ईरान से अलग करते हैं। - फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ती है।
बाब-एल-मंदेब जलसंधि	- यमन को जिबूती से अलग करती है। - लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ती है।

एशिया की प्रमुख झीलें

झील	देश	विशेषताएं
कैस्पियन झील	अज़रबैजान, ईरान, कजाख़स्तान, तुर्कमेनिस्तान, रूस	- एशिया-यूरोप महाद्वीप की विभाजक होने के साथ विश्व की सबसे बड़ी झील है। - इसमें वोल्गा और युराल जैसी प्रमुख नदियों का मुहाना है।
बाल्खस झील	कजाख़स्तान	यह खारे पानी की झील है।
पेंगोंग झील	भारत, चीन	- रामसर कन्वेंशन के तहत इसे मान्यता प्राप्त है। - भारत और चीन के मध्य वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) यहीं से गुजरती है।
टोनले सप झील	कंबोडिया	यह दक्षिण-पूर्व एशिया की एक महत्वपूर्ण झील है।
वान झील	तुर्की	यह विश्व की सर्वाधिक खारे पानी की झील है।
बैकाल झील	रूस	- विश्व की सबसे गहरी झील - यहीं से लीना व अगारा नदियों का उद्गम होता है।

अध्याय - 14

उच्च न्यायालय

- भारत में कुल 24 उच्च न्यायालय हैं जिनका अधिकार क्षेत्र कोई राज्य विशेष या राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के एक समूह होता है।
- वर्तमान समय में पंजाब तथा हरियाणा के लिए एक ही उच्च न्यायालय है और असम, नागालैण्ड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश के लिए एक उच्च न्यायालय है।
- मुम्बई उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार महाराष्ट्र और गोवा राज्यों तथा दमन और दीव एवं दादरा और नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों पर है।
- इसी प्रकार कलकत्ता उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, मद्रास उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार पाण्डिचेरी तथा केरल उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार लक्षद्वीप संघराज्य क्षेत्र पर है।
- सात संघशासित राज्यों में से केवल दिल्ली ही एक ऐसा संघ राज्य क्षेत्र है, जिसका अपना उच्च न्यायालय है।
- उच्च न्यायालय भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214, अध्याय 5 व भाग 6 के अंतर्गत स्थापित किए गए हैं। न्यायिक प्रणाली के भाग के रूप में, उच्च न्यायालय राज्य विधायिकाओं और अधिकारियों के संस्था से स्वतंत्र हैं।
- उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय के साथ, जो उनके अधीनस्थ होते हैं, राज्य के प्रमुख दीवानी न्यायालय होते हैं।
- उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबन्धित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के साथ होती है।
- इसके अलावा, राष्ट्रपति परामर्श के बिना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हस्तांतरण के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।
- प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा ऐसे अन्य न्यायाधीशों को मिलाकर किया जाता है, जिन्हें राष्ट्रपति समय-समय पर नियुक्त करे।

न्यायाधीशों की योग्यता

- अनुच्छेद 217 के अनुसार कोई व्यक्ति किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य तब होगा, जब वह
- भारत का नागरिक हो और 62 वर्ष की आयु पूरी न की हो।
- कम से कम 10 वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो। न्यायिक पद धारण करने की अवधि की गणना करने में वह अवधि भी सम्मिलित की जाएगी, जिसके दौरान कोई व्यक्ति पदधारण करने के पश्चात् किसी उच्च न्यायालय का अधिवक्ता रहा है या उसने किसी अधिकरण के सदस्य का पद धारण किया है या संघ अथवा राज्य के अधीन कोई

ऐसा पद धारण किया है, जिसके लिए विधि का विशेषज्ञान अपेक्षित है।

- किसी उच्च न्यायालय में एक या से अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रहा हो।
- किसी उच्च न्यायालय का अधिवक्ता रहने की अवधि की गणना करते समय वह अवधि भी सम्मिलित की जाएगी, जिसके दौरान किसी व्यक्ति ने अधिवक्ता होने के पश्चात् न्यायिक पद धारण किया है या किसी अधिकरण के सदस्य का पद धारण किया है या संघ अथवा राज्य के अधीन कोई ऐसा पद धारण किया है, जिसके लिए विधिका विशेष ज्ञान अपेक्षित है।

न्यायाधीशों की नियुक्ति

- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश से, उस राज्य के राज्यपाल से तथा सम्बन्धित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर के की जाती है।
- इस सम्बन्ध में यह प्रक्रिया अपनाई जाती है कि उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश राज्य के राज्यपाल के पास प्रस्ताव भेजता है और राज्यपाल उस प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से परामर्श करके उसे प्रधानमंत्री के माध्यम से राष्ट्रपति के पास भेजता है।
- राष्ट्रपति उस प्रस्ताव पर भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर के न्यायाधीश की नियुक्ति करता है।
- उच्च न्यायालय के एक पूर्व निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति मुख्य न्यायाधीश की राय मानने के लिए बाध्य नहीं है। लेकिन 6 अक्टूबर, 1993 के उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिये गये एक निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति को भारत के मुख्य न्यायाधीश की राय को वरीयता देनी चाहिए।
- 1999 में उच्चतम न्यायालय के 9 सदस्यीय संविधान पीठ ने यह अभिनिर्धारित किया है कि उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में उच्चतम न्यायालय के केवल 2 वरिष्ठतम न्यायाधीशों की सलाह लेना आवश्यक है किन्तु स्थानान्तरण के मामले में उच्चतम न्यायालय के 4 वरिष्ठतम न्यायाधीशों से परामर्शको अनिवार्य बनाया गया है।
- साथ ही सम्बन्धित उच्च न्यायालयों जिससे स्थानान्तरण किया गया है और जिसको स्थानान्तरण किया जाना है, वे मुख्य न्यायाधीशों से परामर्श करना भी अनिवार्य होगा।

मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति

- अनुच्छेद 217 के अनुसार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा राज्यपाल से विचार-विमर्श के पश्चात् की जाती है और इस सम्बन्ध में यह आवश्यक नहीं है कि उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाए, लेकिन ऐसी प्रथा का निर्माण हो गया है कि उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम

उस मामले को अपने पास में गा सकता है और मामले पर निर्णय कर सकता है और निर्णय करके उस मामले को ऐसे प्रश्न पर निर्णय की प्रतिलिपि सहित उस न्यायालय को, जिससे मामला अन्तरित किया गया था, भेजकर उस निर्णय के अनुसार मामले के निपटारे का आदेश दे सकता है। इसके अतिरिक्त उच्च न्यायालय अपने अधीनस्थ न्यायालय में लम्बित वादको किसी अन्य अधीनस्थ न्यायालय को स्थानान्तरित कर सकता है।

लेख जारी करने का अधिकार

- उच्च न्यायालय मूलाधिकारों के उल्लंघन के मामले में बन्दी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण तथा अधिकार पृच्छा लेख जारी कर सकता है।

अधीक्षण क्षेत्राधिकार

- प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपनी अधिकारिता के अधीनस्थित सभी न्यायालयों तथा अधिकरणों की अधीक्षण की शक्ति है, जिसके प्रयोग में वह ऐसे न्यायालयों / अधिकरणों से विवरणी मंगा सकता है,
- उनके अधिकारियों द्वारा रखी जाने वाली प्रविष्टियों और लेखाओं के प्रारूप निश्चित कर सकता है तथा उनके शुल्कों को नियत कर सकता है।

उच्च न्यायालय से सम्बंधित अनुच्छेद	
अनुच्छेद	विषय - वस्तु
अनु. 214	राज्यों के लिए उच्च न्यायालय के व्यवस्था
अनु. 215	उच्च न्यायालय अभिलेख के न्यायालय के रूप में
अनु. 216	उच्च न्यायालय का गठन
अनु. 17	उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद के लिए नियुक्त तथा आर्हता
अनु. 218	उच्च न्यायालय में उच्चतम न्यायालय से संबंधित कुछ प्रावधानों का लागू होना
अनु. 219	उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की शपथ ग्रहण
220	स्थायी न्यायाधीश बहाल होने के बाद प्रैक्टिस पर पतिबंध
221	न्यायाधीशों का वेतन, भत्ते इत्यादि
222	किसी न्यायाधीश का एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण
223	कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति
224	अतिरिक्त एवं कार्यवाहक न्यायाधीशों की नियुक्ति
224 ए	उच्च न्यायालयों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति
225	उच्च न्यायालयों का क्षेत्राधिकार
231	दो या अधिक राज्यों के लिए एक साझे उच्च न्यायालय की स्थापना

अध्याय - 15

पंचायती राज

- स्थानीय शासन 'महात्मा गाँधी' की संकल्पना राम राज्य या ग्राम स्वराज्य का परिष्कृत रूप है। गाँधीजी की इस संकल्पना को फलीभूत करने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्य सरकार को निर्देश दिए गए थे, जो 1993 में 73वें संविधान संशोधन के परिणामस्वरूप सम्भव हुआ।
- 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन 1993 के तहत स्थानीय शासन भारतीय परिसंघीय व्यवस्था में तीसरे स्तर की सरकार को सामने ला खड़ा किया।
- 'पंचायती राज' और 'नगरपालिका प्रणाली' को संवैधानिक अस्तित्व प्राप्त करने में एक लम्बा संघर्ष करना पड़ा।
- वर्ष 1956 में गठित बलवंत राय मेहता समिति ने सर्वप्रथम पंचायती राज को स्थापित करने की सिफारिश की जिसे स्वीकार कर लिया गया साथ ही सभी राज्यों को इसे क्रियान्वित करने के लिए कहा गया।
- सर्वप्रथम राजस्थान के नागौर जिले में 2 अक्टूबर 1959 को पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने पंचायती राज की नींव रखी और उसी दिन इसे सम्पूर्ण राज्य (राजस्थान) में लागू कर दिया गया।
- किन्तु वांछित सफलता प्राप्ति में कमी ने इस पर गम्भीरता से विचार करने के लिए मजबूर किया। अनेक समितियों का गठन किया गया, जिन्होंने अपनी सिफारिशों से पंचायती राज को मजबूती प्रदान की।

पंचायती राज व्यवस्था समितियाँ		
1.	बलवंत राय मेहता समिति	1957
2.	अशोक मेहता समिति	1977
3.	जी.वी.के. राव समिति	1985
4.	एल. एम. सिंघवी समिति	1986
5.	संथानम समिति	1962
6.	सादिक अली समिति	1964

पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा

- वर्ष 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी ने पंचायतों के सुधार व सशक्तिकरण में विशेष रुचि ली तथा एल. एम. सिंघवी समिति और थुमन समिति की सिफारिशों के आधार पर लोकसभा में 64वाँ संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया। जिसे लोकसभा द्वारा पारित कर दिया गया लेकिन राज्यसभा द्वारा अस्वीकार कर दिए जाने के कारण विधेयक समाप्त हो गया।

आयोग के प्रमुख कार्य

- मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करना खासतौर पर लोकसेवकों एवं पदाधिकारियों की तरफ से।
- मानवाधिकार के उल्लंघन के मामले में न्याय दिलवाले के उद्देश्य से न्यायालय का सहारा लेना।
- समय-समय पर जेलों तथा अन्य स्थानों की छानबीन करना तथा मानवीय अधिकारों को लागू करवाना।
- मानवाधिकार की रक्षा के लिए संशोधन की सलाह देना।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समझौता का मूल्यांकन करना।
- मानवाधिकारों से संबंधित शोध पत्रों को जारी करना तथा लागू करवाना।
- मानवाधिकारों को आम जनता में लोकप्रिय बनाना तथा जन जागरूकता लाना।
- वे सभी गैर सरकारी संस्थाएं जो मानवाधिकार के लिए कार्य कर रही हैं, को प्रोत्साहित करना।
- उन सभी कदमों को उठाना जिसके तहत मानवाधिकारों की रक्षा की जा सके।
 - इन्हें केवल तभी हटाया जा सकता है जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की जाँच में उन पर दुराचार या असमर्थता के आरोप सिद्ध हो जाएं।
 - इसके अतिरिक्त आयोग में पाँच विशिष्ट विभाग (विधि विभाग, जाँच विभाग, नीति अनुसंधान और कार्यक्रम विभाग, प्रशिक्षण विभाग और प्रशासन विभाग) भी होते हैं।
 - राज्य मानवाधिकार आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के
 - वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जस्टिस एच.एल. दत्त राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष हैं।

प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय - 1

सिन्धु घाटी सभ्यता

- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया।
- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानते हैं।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया।
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया।
- वृहत्तर सिन्धु सभ्यता - ए. आर-मुगल के द्वारा कहा।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया।
- मेलूहा सभ्यता भी कहा गया।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे है। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं।
- 1902 में लॉर्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध है।
- 20 सितम्बर 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियाँ -

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ों की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन - मोहनजोदड़ों से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है।
- अल्पाइन प्रजाति।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C¹⁴) - 2500 से 1750 ई.पू.
- हिलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- डाबर कोट
- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट

सुत्कांगेडोर - इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज औरैल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- **हरियाणा**- राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बनावली, मितायल, बालू
- **पंजाब** - कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा
रोपड़ (स्पनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- **कश्मीर** - माण्डा
चिनाब नदी के किनारे
सभ्यता का उत्तरी स्थल
- **राजस्थान** - कालीबंगा, बालाथल
तरखान वाला डेरा
- **उत्तर प्रदेश**- आलमगीरपुर
सभ्यता का पूर्वी स्थल
- माण्डा
- बड़गाँव
- हलास
- सनौली
- **गुजरात**
धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिखी, तेलोद, नगवाड़ा, कुन्तासी, शिकारपुर, नागेश्वर, मेघम प्रभासपाटन भोगझार
- **महाराष्ट्र**- दैमाबाद
सभ्यता की दक्षिणतम सीमा
फैलाव- त्रिभुजाकार
क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलोमीटर

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- **हड़प्पा** - रावी नदी के किनारे पर स्थित इस स्थल की खोज दयाराम साहनी ने की थी। खोज - वर्ष 1921 में उत्खनन-
1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा।
1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरूप वत्स द्वारा
1946 में मार्टीयर हिलर द्वारा
इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।

- पिंगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 किलोमीटर है।
- 1826 में चार्ल्स मैसन ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम हिलर ने MOUND-AB दिया।
- हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है।
- हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया।
- भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं।
- यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया
- हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्वपूर्ण हैं।

मोहनजोदड़ों - सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ों की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी। उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)

- मार्शल
- जे.एच. मैके
- जे.एफ. डेल्स
- मोहनजोदड़ों का नगर कच्ची ईंटों के चबूतरे पर निर्मित था।
- मोहनजोदड़ों सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ों को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।
- बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।
- यहाँ से यूनिकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं।
- वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेहरगढ़
- सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।
- मोहनजोदड़ों की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)
- यहाँ से एक 20 खम्भों वाला सभा भवन मिला है। मैके ने इसे 'बाजार' कहा है।
- बहुमंजिली इमारतों के साक्ष्य, पुरोहित आवास, पुरोहितों का विद्यालय, पुरोहित राजा की मूर्ति, कुम्भकारों की बस्ती के प्रमाण भी मोहनजोदड़ों से मिले हैं।
- मोहनजोदड़ों का शाब्दिक अर्थ मृतकों का टीला है।
- मूर्ति पूजा का आरम्भ पूर्व आर्य काल से माना जाता है।
- बड़ी संख्या में कुओं की प्राप्ति।
- 8 कक्षों वाला विशाल स्नानागार भी यहीं से प्राप्त हुआ है।

कालीबंगा - कालीबंगा की खोज अमलानन्द घोष द्वारा गंगानगर में की गयी थी।

- सरस्वती नदी (वर्तमान घग्घर के तट पर)
- कालीबंगा वर्तमान में हनुमानगढ़ में है।
- उत्खनन - बी.बी. लाल, वी. के. थापड़ 1953 में कालीबंगा - काले रंग की चूड़ियाँ
- कालीबंगा - सैधव सभ्यता की तीसरी राजधानी

- विशाखा
- यशोधरा
- आस्रपाली
- सुप्रवासा

बौद्ध धर्म के प्रतीक महात्मा बुद्ध के प्रमुख आठ स्थान

- लुम्बिनी
- बोधगया
- सारनाथ
- कुशीनगर
- वैशाली
- राजगृह
- श्रावस्ती
- संकाश्य
- बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का आदर्श बोधिसत्व है। बोधिसत्व दूसरे के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अपने निर्वाण में विलंभ करते हैं।
- हीनयान का आदर्श अर्हत पद को प्राप्त करना है। जो व्यक्ति अपनी साधना से निर्वाण की प्राप्ति करते हैं उन्हें ही अर्हत कहा जाता है।
- बौद्ध धर्म के बारे में हमें विशद ज्ञान त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्रपिटक, अभिधम्मपिटक) से प्राप्त होता है। इन तीनों पिटकों की भाषा पाली है।
- पालि पिटक सबसे पुराना है।
- बुद्ध के जन्म एवं मृत्यु की तिथि को चीनी परम्परा के कैटोन अभिलेख के आधार पर निश्चित किया गया है।
- पालि त्रिपिटकों को पहली शताब्दी ईसा पूर्व में श्रीलंका के शासक वत्तगामिनी की देख-रेख में पहलीबार लिपिबद्ध किया गया।
- सूत्रपिटक के पांच निकाय हैं - दीर्घ, मज्झिम, संयुक्त, अगुत्तर, खुदक।
- बुद्ध के पूर्व जन्मों से जुड़ी जातक कथाएँ खुदक निकाय की 15 पुस्तकों में से एक है। खुदक निकाय में धम्मपद (नैतिक उपदेशों का पद्यात्मक संकलन) थेरीगाथा (बौद्ध भिक्षुओं का गीत) और थेरीगाथा (बौद्ध भिक्षुणियों की गीत) हैं।
- बौद्धधर्म मूलतः अनीश्वरवादी है। इसमें आत्मा की परिकल्पना भी नहीं है।
- त्रिणा को क्षीण हो जाने की अवस्था को ही बुद्ध ने निर्वाण कहा है।
- विश्व दुखों से भरा है का सिद्धान्त बुद्ध ने उपनिषद् से लिया।
- उपासक: गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए बौद्ध धर्म अपनाने वालों को उपासक कहा गया है।
- बौद्ध संघ में सम्मिलित होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 15 वर्ष थी। बौद्ध संघ में प्रविष्ट होने वाले को उपसम्पदा कहा जाता था।
- सर्वाधिक बुद्ध मूर्तियों का निर्माण गंधार शैली के अंतर्गत किया गया लेकिन बुद्ध की प्रथम मूर्ति संभवतः मथुरा कला के अंतर्गत बनी थी।

- भारत में उपासना की जाने वाली प्रथम मूर्ति संभवतः बुद्ध की थी।

भारत के महत्वपूर्ण बौद्ध मठ

मठ	स्थान	राज्यकेन्द्र शासित प्रदेश
टाबो मठ	ताबो गाँव (स्पीति घाटी)	हिमाचल प्रदेश
नामग्याल मठ	धर्मशाला	हिमाचल प्रदेश
हेमिस मठ	लद्दाख	जम्मू कश्मीर
थिकसे मठ	लद्दाख	जम्मू कश्मीर
शासुर मठ	लाहुल स्पीति	हिमाचल प्रदेश
मिनझालिंग मठ	देहरादून	उत्तराखंड
रूमटेक मठ	गंगटोक	सिक्किम
तवाँ ग मठ	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश
नामझालिंग मठ	मैसूर	कर्नाटक
बोधिमडा मठ	बोधगया	बिहार

❖ जैन धर्म

- जैन शब्द का निर्माण जिन से हुआ है जिसका अर्थ होता है - विजेता
- संस्थापक - ऋषभदेव प्रथम तीर्थंकर थे कुल 24 तीर्थंकर हुए
- 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ थे जो काशी के इक्ष्वाकु वंशीय राजा अश्वसेन के पुत्र थे।
- जैन धर्म को व्यवस्थित रूप दिया।
- 24वें तीर्थंकर वर्धमान महावीर थे।
- जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक महावीर स्वामी थे।
- जन्म 540 ई.पू. कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था।
- महावीर के बचपन का नाम वर्धमान था।
- पिता - सिद्धार्थ ज्ञात्रक कुल के सरदार थे।
- माता - त्रिशला लिच्छवि राजा चेटक की बहन थी।
- अणुव्रत सिद्धांत जैन धर्म से संबंधित है।
- जैन धर्म में संवर का क्या अभिप्राय जीव की ओर नये कर्म का प्रवाह रुक जाना है।
- महावीर की पत्नी का नाम यशोदा एवं पुत्री का नाम अनोज्जा प्रियदर्शनी था।
- गृहत्याग 30 वर्ष की आयु में
- 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद महावीर को ब्राम्हिक के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे तपस्या करते हुए सम्पूर्ण ज्ञान का बोध हुआ।
- ज्ञान प्राप्ति 42 वर्ष की आयु में
- उपदेश- अर्द्ध-मागधी भाषा में दिया।
- प्रथम उपदेश राजगृह में दिया था।
- प्रथम शिष्य- जमालि थे।
- शिष्या - चन्दना थी।
- चम्पा नरेश दधिवाहन की पुत्री चन्दना प्रथम भिक्षुणी थी।

अध्याय - 5

भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन

- भारत में राष्ट्रीय जागरण का काल 19 वीं शताब्दी का मध्य तथा उत्तरार्द्ध माना जाता है।
- भारत में राष्ट्रीय जागरण के बारे में श्रीमति एनीबेसेंट ने कहा था की इस विराट आंदोलन के पीछे शताब्दियों का इतिहास है।
- भारतीय इतिहास में 18 वीं शताब्दी को 'अंधकार का युग' कहा जाता है।
- राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का पिता तथा नये युग का अग्रदूत कहा जाता है।
- राजा राममोहन राय को पुनर्जागरण का 'सुबह का तारा' कहा जाता है।
- ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय द्वारा 20 अगस्त 1828 ई. को कलकत्ता में की गयी। जिसका उद्देश्य तत्कालीन हिन्दू समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे सती प्रथा, बहु विवाह, वेश्यागमन जातिवाद अस्पृश्यता आदि को समाप्त करना था।
- ब्रह्म समाज आंदोलन का मुख्य सिद्धांत ईश्वर एक है।
- राजा राममोहन राय को भारतीय पुनर्जागरण का मसीहा माना जाता है।
- राजा राममोहन राय की प्रमुख कृतियों में 'प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस' प्रमुख है। इन्होंने संवाद कौमुदी (बांग्ला भाषा) तथा मिरातुल अखबार (फारसी भाषा) का भी सम्पादन किया।
- राजा राममोहन राय ने 1814 ई. में आत्मीय सभा की स्थापना की। 1815 ई. में इन्होंने वेदान्त कॉलेज के स्थापना की।
- इन्होंने सती प्रथा के विरुद्ध आंदोलन चलाया तथा पाश्चात्य शिक्षा के प्रति अपना समर्थन दिया।
- कालांतर में देवेन्द्रनाथ टैगोर 1818 ई. 1905 ई. ने ब्रह्म समाज को आगे बढ़ाया इनके द्वारा ही केशवचन्द्र सेन को ब्रह्म समाज का आचार्य नियुक्त किया गया।
- लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा पद्धति का सूत्रपात किया था।
- 1829 ई. में विलियम बैंटिक ने भारत में सती प्रथा पर रोक लगा दी इस कार्य में सहयोग देने में राजा राममोहन राय की प्रमुख भूमिका थी।
- **आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती थे।**
- इन्होंने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मुसलमानों को पुनः हिन्दू धर्म ग्रहण करने की प्रेरणा देना था।
- स्वामी दयानंद सरस्वती को बचपन में मूलशंकर के नाम से जाना जाता था। इनके गुरु स्वामी विरजानन्द थे।
- राममोहन राय को राजा की उपाधि मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने प्रदान की थी।

- राजा राममोहन राय की समाधी ब्रिस्टल (इंग्लैंड) में स्थित है।
- इन्होंने अपने उपदेशों में मूर्ति पूजा, बहुदेववाद, अवतारवाद, पशुबलि, श्राद्ध, जंत्र, तंत्र, मंत्र, झूठे कर्मकांड, आदि की आलोचना की तथा पुनः 'वेदों की और लोटो का नारा' दिया था।
- इनके विचारों का संकलन इनकी कृति 'सत्यार्थ प्रकाश' में मिलता है जिसकी रचना इन्होंने हिंदी में की थी।
- सामाजिक सुधार के क्षेत्र में इन्होंने छुआछूत एवं जन्म के आधार पर जाति प्रथा की आलोचना की।
- भारत का समाज सुधारक मार्टिन लूथर किंग दयानंद सरस्वती को कहा जाता है।
- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सर्वप्रथम स्वराज शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्र भाषा माना।
- बंगाली नेता राधाकांत देव ने सती प्रथा का समर्थन किया था।
- स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा चलाये गए शुद्धि आंदोलन के अंतर्गत उन लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में आने का मौका मिला जिन्होंने किसी कारणवश कोई और धर्म स्वीकार कर लिया था।
- समाज सुधारक महादेव गोविन्द रानाडे को महाराष्ट्र का सुकरात कहा जाता है।
- स्वामी दयानंद सरस्वती के अनुयायियों में लाला हंसराज ने 1886 ई. में लाहौर में 'दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज' की स्थापना की तथा स्वामी श्रद्धानन्द ने 1901 ई. में हरिहर के निकट कांगड़ी में गुरुकुल की स्थापना की।
- **भारतीय संस्था थियोसिफिकल सोसायटी**
- भारतीय संस्था थियोसिफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 ई. में मैडम ब्लॉवत्सकी एवं कर्नल आल्कोट ने न्यूयॉर्क में की थी।
- जनवरी 1882 ई. में वे भारत आये तथा मद्रास में अड-यार के निकट मुख्यालय स्थापित किया।
- भारत में इस आंदोलन की गतिविधियों को फेलाने का श्रेय श्रीमती एनीबेसेंट को दिया जाता है।
- 1898 ई. में उन्होंने बनारस में सेंट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना की जो आगे चलकर 1916 ई. में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बन गया। आयरलैंड की होमरूल लीग की तरह बेसेंट ने भारत में होमरूल लीग की स्थापना की।
- स्वामी विवेकानंद की मुख्य शिष्या सिस्टर निवेदिता थी।
- वास्तव में भारत की एकता इसकी विभिन्नताओं में ही निहित है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति ने सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में सदा से बांध रखा है। यह विचार बीसेंट स्मिथ का है।
- 1893 ई. में शिकागो सम्मलेन में स्वामी विवेकानंद ने भाग लिया था।
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी वेवेकानंद ने 1897 ई. में की थी।

भारत के प्रमुख लोकनृत्य

राज्य	लोकनृत्य
असम	बिहू, खेलगोपाल, कलिंगोपाल, बोई साजू नटपूजा मीटू ।
पंजाब	कीकली, भाँगड़ा, गिद्दा
हिमाचल प्रदेश	जद्दा, नाटी, चम्बा, छपेली
हरियाणा	धमाल, खोरिया, फाग, डाहीकल
महाराष्ट्र	लेजिम, तमाशा, लावनी, कोली
जम्मू - कश्मीर	दमाली, हिकात, दण्डी नाच, राऊ, लडाखी
राजस्थान	गणगौर, झूमर, घूमर, झूलन लीला
गुजरात	गरबा, डाण्डिया रास, पणिहारी, रासलीला, लास्या, गणपति भजन
बिहार	जट - जाटिन, घुमकड़िया, कीर्तनिया, पंवारियाँ, सोहराई, सामा, चकेवा, जात्रा
उत्तर प्रदेश	डांगा, झीका, छाऊ, लुझरी, झोरा, कजरी, नौटंकी, थाली, जट्टा
केरल	भद्रकली, पायदानी, कुडीअट्टम, कालीअट्टम, मोहिनीअट्टम
पश्चिम बंगाल	करणकाठी, गम्भीरा, जलाया, बाउल नृत्य, कथि, जात्रा
नागालैण्ड	कुमीनागा, रेंगमनागा, लिम, चोंग, युद्ध नृत्य, खेवा
मणिपुर	संकीर्तन, लाईहरीबा, थांगटा की तलम, बसन्तराम, राखाल
मिजोरम	चेरोकान, पाखुलिया नृत्य
झारखण्ड	सुआ, पंथी, राउत, कर्मा, फुलकी डोरला, सरहुल, पाइका, नटुआ, छऊ
ओडिशा	अग्न, डंडानट, पैका, जदूर, मुदारी, आया, सबारी, छाऊ
उत्तराखंड	चांचरी / झोड़ा, छपेली, छोलिया, झुमैलो, जागर, कुमायूँ नृत्य
कर्नाटक	यक्षगान, भूतकोला, वीरगास्से, कोडावा
आन्ध्र प्रदेश	घण्टामर्दाला, बतकम्मा, कुम्मी, छड़ी, सिद्धि माधुरी

छत्तीसगढ़	सुआ करमा, रहस, राउत, सरहुल, बार, नाचा, घसिया बाजा, पंथी
तमिलनाडु	कोलट्टम, कुम्मी कारागम्
उत्तराखंड	जागर, चौफला, छपेली, छोलिया
प्रसिद्ध वाद्य यन्त्र एवं वादक	
वाद्य यन्त्र	वादक
बाँसुरी	हरिप्रसाद चौरसिया, रघुनाथ सेठ, पन्नालाल घोष, प्रकाश सक्सेना, देवेन्द्र मुक्तेश्वर, प्रकाश बढेरा, राजेन्द्र प्रसन्ना
वायलिन	बालमुरली कृष्णन, गोविन्दस्वामी पिल्लई, टी एन कृष्णन, आर पी शास्त्री, सन्दीप ठाकुर, बी शशि कुमार, एन राजम
सरोद	अली अकबर खाँ, अलाउद्दीन खाँ, अशोक कुमार राय, अमजद अली खाँ
सितार	पं रविशंकर, उस्ताद विलायत खाँ
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ, शैलेश भागवत, अनन्त लाल, भोलानाथ तमन्ना, हरिसिंह
तबला	अल्ला रक्खा, जाकिर हुसैन, लतीफ खाँ, गुदई महाराज, अम्बिका प्रसाद
हारमोनियम	रवीन्द्र तालेगांवकर, अप्पा जुलगावकर, महमूद बहास्वरूप सिंह, एस / बालचन्द्रन, असद अली, गोपालकृष्ण
वीणा	पं शिवकुमार शर्मा, तरुण भट्टाचार्य
सारंगी	पं रामनारायण, ध्रुव घोष, अरुण काले, आशिक अली खाँ, वजीर खाँ, रमजान खाँ
गिटार	विश्वमोहन भट्ट, ब्रजभूषण काबरा, केशव तालेगांवकर, नतिन मजूमदार

लोककला शैलियाँ

शैली	राज्य
रंगोली	महाराष्ट्र । गुजरात
अल्पना	पश्चिम बंगाल
मण्डाना, मेहँदी	राजस्थान
अरिपन, गोदना	बिहार
रंगवल्ली	कर्नाटक

- वर्ष 2020 तक एक वैश्विक डिजिटल करेंसी Libra तथा एक डिजिटल वॉलेट calibra जारी करने की घोषणा फेसबुक(facebook) ने की।

बैंकिंग (Banking)

- ऐसी संस्थान जो किसी देश के वित्तीय व्यवहार में भागीदार होती हैं, बैंक कहलाती हैं। बैंकों और इसी तरह के संस्थानों की व्यवसायिक गतिविधियां बैंकिंग(Banking) कहलाती हैं।
- सर्वप्रथम आधुनिक बैंकिंग का विकास वर्ष 1609 में नीदरलैंड में हुआ।
- **भारत में Banking** व्यवस्था में सर्वोच्च स्थान RBI का है RBI की स्थापना, RBI 1 April अधिनियम 1934 के अन्तर्गत 1935 में की गई थी
- RBI को केन्द्रीय बैंक। बैंकों का बैंक कहा जाता है।
- 1 Jan 1949 इसका राष्ट्रीयकरण किया गया एवम् भारत सरकार के अधीन लाया गया RBI के प्रथम governor sir ओस्बोर्न स्मिथ थे।
- RBI के प्रथम भारतीय governor C.D. Deshmukh थे
- वर्तमान में RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास(25 वे) हैं।
- RBI भारत में मौद्रिक नीतियाँ जारी करती हैं जिसके माध्यम से यह तरलता को नियंत्रित करती हैं
- RBI भारत में विदेशी मुद्रा का भण्डारण करती हैं भारत अपने विदेशी मुद्रा कोष में अमेरिकी डॉलर, पांड, यूरो, यन एवम् सोना रखता है।
- RBI को 10,000 तक के करेंसी नोट छापने का अधिकार प्राप्त है।
- भारत में स्थापित पहली बैंक Bank of Hindustan थी इसकी स्थापना Alexander and Company 1770 में की थी कुछ समय बाद यह बैंक बन्द हो गई।
- East India company के एक के बाद एक तीन अन्य बैंकों की स्थापना की
1806-Bank of Bengal.
1840 - Bank of Bombay
1843- Bank of Madras
- 1865 में Allahabad Bank की स्थापना की गई जो उसी नाम के भारत की प्राचीनतम बैंक है इस बैंक का मुख्यालय कोलकाता में है।
- भारत में प्रथम महिला बैंक की स्थापना 19 नवम्बर, 2013 को मुंबई में की गयी थी।
- 1881 में Outh Commercial Bank की स्थापना की गई जो की भारत की ऐसी पहली बैंक थी जिसके शेयर धारक बनाए गए
- 1894 में PNB की स्थापना की गई यह भारत की प्रथम पूर्णतः भारतीय बैंक रही हैं जिसमें विदेशी निवेश नहीं था।
- 1921 में Bank of Bengal, Bank of Bombay and Bank of Madras को विलय कर दिया गया तथा इस

विलय से इम्पेरियल बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की गई।

- आजादी के उपरान्त वर्ष 1955 में Imperial Bank of India को भारत सरकार ने अपने अधीन ले लिया एवं इसका नाम परिवर्तित कर state Bank of India कर दिया गया
- भारत में बैंकों को दो प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता।

अनुसूचित बैंक (scheduled Bank)

गैर अनुसूचित बैंक (Non scheduled Bank)

- इन्द्रधनुष योजना का संबंध बैंकों की वित्तीय सुधार से है।

➤ सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक

बैंक	मुख्यालय	मुख्य	टैगलाइन
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	पुणे	A.S Rajeev	one family one bank
बैंक ऑफ इंडिया	मुंबई	अतानु कुमार दास	relationship beyond banking
पंजाब एंड सिंध बैंक	new delhi	s.हरिश्चंकर	where service is a way of life
uco बैंक	कोलकाता	अतुल कुमार गोयल	honours your trust
बैंक ऑफ बडौदा	बडौदा	संजीव चढ़ा	india's international bank
केनरा बैंक	मुंबई	राजकिरण राय	good people to bank with
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया			
इंडियन ओवरसीज़ बैंक			
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया			
पंजाब नेशनल बैंक	new delhi	s.s मलिकार्जुन राव	the name you can bank upon
इंडियन बैंक			
भारतीय स्टेट बैंक	मुंबई	दिनेश कुमार खरा	us, the bank to every indian

- वणिज्यिक बैंक संघ सूची के अंतर्गत आते हैं।
- वर्ष 2008 में वित्तीय क्षेत्रों में सुधार हेतु जिस समिति का गठन किया गया, उसके अध्यक्ष रघुराम राजन थे।

International Epilepsy Day	8 फरवरी
सुरक्षित इंटरनेट दिवस	9 फरवरी
विश्व दाल दिवस	10 फरवरी
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	10 फरवरी
विज्ञान में बालिकाओं तथा महिलाओं का दिवस	11 फरवरी
विश्व यूनानी दिवस	11 फरवरी
राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस	12 फरवरी
विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस	15 फरवरी
विश्व सामाजिक न्याय दिवस	20 फरवरी
विश्व पैंगोलिन दिवस	20 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
World thinking day	22 फरवरी
केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस	24 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
विश्व एनजीओ दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
दुर्लभ रोग दिवस	28 फरवरी
मार्च	समारोह की तिथि
विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस	1 मार्च
कर्मचारी प्रशंसा दिवस	2 मार्च
विश्व श्रवण दिवस	3 मार्च
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
जनऔषधि दिवस	7 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
CISF स्थापना दिवस	10 मार्च

National Gestational Diabetes Mellitus (GDM) Awareness Day	10 मार्च
विश्व किडनी दिवस	11 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस	14 मार्च
International Day of Action for Rivers	14 मार्च
राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस	16 मार्च
ऑर्डिनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
Global Recycling Day	18 मार्च
विश्व निद्रा दिवस	19 मार्च
विश्व खुशहाली दिवस	20 मार्च
विश्व गौरैया दिवस	20 मार्च
World Oral Health Day	20 मार्च
विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
विश्व कविता दिवस	21 मार्च
विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस	21 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
World Meteorological Day	23 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च and 30 जनवरी
विश्व रंगमंच दिवस	27 मार्च
Earth Hour	27 मार्च
International transgender day of Visibility	31 मार्च
अप्रैल	समारोह की तिथि
विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस	2 अप्रैल
अंतर्राष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस	2 अप्रैल
International day for Mine Awareness and Assistance in mine Action	4 अप्रैल
राष्ट्रीय समुद्र दिवस	5 अप्रैल
विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल



15.	यूरोपियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (ESRO)	पेरिस, फ्रांस
16.	यूनेस्को (UNESCO)	पेरिस, फ्रांस
17.	यूनिसेफ (UNICEF)	न्यूयॉर्क, अमेरिका
18.	यूरोपीय कॉमन मार्केट (ECM)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
19.	यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ECTA)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
20.	यूरोपीय संसद	लक्जमबर्ग
21.	यूरोपीय ऊर्जा आयोग (EEC)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
22.	रेडक्रॉस	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
23.	राष्ट्रमंडल (COMMONWEALTH)	लंदन, इंग्लैंड
24.	राष्ट्रमंडलीय राष्ट्राध्यक्ष सम्मेलन (CHOGM)	स्ट्रांसबर्ग
25.	विश्व बैंक	वाशिंगटन डी. सी., अमेरिका
26.	विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
27.	विश्व व्यापार संगठन (WTO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
28.	विश्व वन्य जीव संरक्षण कोष (WWF)	ग्लांड, स्विट्जरलैंड
29.	वर्ल्ड काउंसिल ऑफ चर्च (WCC)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
30.	संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO / UN)	न्यूयॉर्क, अमेरिका
31.	संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO)	रोम, इटली
32.	संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (UNHCR)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड

33.	संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)	नैरोबी, केन्या
34.	संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
35.	संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	वियना, ऑस्ट्रिया
36.	सार्क (SAARC)	काठमांडू, नेपाल
37.	अमरीकी राज्यों का संगठन (OAS)	वाशिंगटन डी. सी., अमेरिका
38.	एमनेस्टी इंटरनेशनल	लंदन, इंग्लैंड
39.	एशियाई विकास बैंक (ADB)	मनीला, फिलीपींस
40.	एशिया और प्रशांत क्षेत्रों का आर्थिक और सामाजिक आयोग	बैंकाक, थाईलैंड
41.	इंटरपोल (INTERPOL)	ल्योन, फ्रांस
42.	इंडियन ओशन कमीशन (IOC)	पोर्ट लुइस, मॉरीशस
43.	जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एंड ट्रेड 1 गैट (GATT)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
44.	परस्पर आर्थिक सहायता परिषद् (COMECON)	मास्को, रूस
45.	पेट्रोलियम उत्पादक देशों का संगठन (OPEC)	वियना, ऑस्ट्रिया
46.	पश्चिमी एशिया आर्थिक आयोग (ECWA)	बगदाद, इराक
47.	संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)	न्यूयार्क
48.	संयुक्त राष्ट्र बालकोष (UNICEF)	न्यूयार्क
49.	मानव अधिवासन हेतु संयुक्त राष्ट्र केंद्र (UNCHS)	नैरोबी

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

(Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - <https://shorturl.at/qBJ18> (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - <https://shorturl.at/tGHRT> (96 प्रश्न, 150 में से)

UP Police Constable 2024 - <http://surl.li/rbfyn> (98 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - <https://youtu.be/gPqDNlc6UR0>

Rajasthan CET 12th Level - <https://youtu.be/oCa-CoTFu4A>

RPSC EO / RO - <https://youtu.be/b9PKjl4nSxE>

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s>

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - <https://youtu.be/2gz2fJyt6vI>

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

whatsapp - <https://wa.link/brl63m> **1 web.** - <http://surl.li/grpcbn>

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 में से)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2 nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2 nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसम्बर (1 st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसम्बर (2 nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसम्बर (2 nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1 st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1 st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1 st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

whatsapp - <https://wa.link/brl63m> 2 web.- <http://surl.li/grpcbn>